बंदरों में सत्ता परिवर्तन और गर्भपात

गेलेडा बंदरों में जब कोई नया नेता सेना की बागडोर संभालता है तब वह अपने पूर्ववर्ती मुखिया की संतानों को मार डालता है। और तो और, नया मुखिया बने तो अजन्मे बच्चों की भी शामत आ जाती है - कुछ ही हफ्तों में इन अजन्मे बच्चों का सफाया गर्भपात के रूप में हो जाता है।

हिल्डा ब्रुस ने सबसे पहले यह प्रक्रिया चूहों में खोजी थी। यह 'ब्रुस इफेक्ट' प्रयोगशाला जंतुओं में बहुत आम है। कुछ जीव वैज्ञानिकों का तो मानना है कि यह प्रभाव जंतुओं को प्रयोगशाला में रखने का परिणाम होता है। मगर अब मिशिगन विश्वविद्यालय की जेसिंटा बीनर और उनके साथियों ने यह प्रभाव जंगली बंदरों में भी देखा है। उन्होंने यह प्रभाव जंगली गेलाडा बंदरों (*थेरोपेथिकस गेलाडा*) में देखा है, जो इथियोपियाई बैबूंस का सम्बंधी है। बीनर और उनके साथियों ने पाया कि समूह में नए मुखिया के आने के 6 महीने बाद तक जन्म दर में तेज़ी से गिरावट हुई। इससे लगता है कि उस समूह की मादा बंदरों के भ्रूणों का गर्भपात हो गया था। बीनर ने मादा बंदरों के मल से हार्मोन के कुछ नमूने लिए और 60 गर्भावस्थाओं का गहनता से अध्ययन किया। कुल 9 गर्भपातों में से 8 तो पिता के बदलने के दो हफ्तों के अंदर हुए थे।

बीनर का कहना है कि रणनीति यह लगती है कि जन्म के बाद नया मुखिया बच्चों को मारने ही वाला है तो मादा बंदर बच्चे को जन्म देने में अपनी ऊर्जा बर्बाद नहीं करना चाहती है।

ब्रिस्टस विश्वविद्यालय के पीटर ब्रेनान कहते हैं कि हम यह तो नहीं जानते कि ये मादाएं ऐसा कैसे करती हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि यह तख्तापलट यानी नए मुखिया द्वारा सत्ता संभालने से जुड़े सामान्य तनाव की प्रतिक्रिया हो सकती है। ***(स्रोत फीचर्स)***